प्रेषक.

राजेन्द्र सिंह, उप सचिव, उत्तरांचल शासन।

सेवा में

निदेशक, प्राविधिक शिक्षा उत्तरांचल, श्रीनगर गढवाल।

शिक्षा अनुभाग-8 (तकनीकी)

देहरादूनः दिनांक / 🛭 मार्च2005

विषय:- प्राविधिक शिक्षा विभाग की आयोजनागत योजना के अन्तर्गत अवशेष स्वीकृत धनराशि के प्रस्ताव के संबंध में।

महोदय.

उपर्युक्त विषयक आपके पत्रांक-8008 / नि0प्रा0िश0 / प्लान-छः-1 / 2004-05 दिनांक 2-3-2005 के कम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि आपके द्वारा उक्त पत्र में वर्णित स्थिति को दृष्टिगत रखते हुए राज्यपाल महोदय वर्तमान वित्तीय वर्ष 2004-05 में संलग्न पुनर्विनियोग प्रपत्र के अनुसार प्राविधिक शिक्षा विभाग में राजकीय पालीटेक्निकों हेतु मशीनें और सज्जा / उपकरण और संयत्र हेतु कुल रू० 15.00 लाख (रूपये पन्द्रह लाख गात्र) की सहर्ष रवीकृति प्रदान करते हैं।

2— उक्त व्यय वित्तीय वर्ष 2004—05 में आय व्ययक में उल्लिखित धनराशि संलग्न पुनर्विनियोग के प्रपत्र के कालम—5 में उल्लिखित लेखाशीर्षकों की सुसंगत इकाईयों के नामें खाला जायेगा तथा पुनर्विनियोग प्रपत्र के कालम —1 की बचतों से वहन किया जायेगा।

3- व्यय उन्हीं मदों में किया जायेगा जिसके लिए यह स्वीकृति दी जा रही है।

4— यह आदेश वित्त विभाग अशासकीय संख्या-441/वित्त अनुभाग-4/ 2005 दिनांक 16.3.2005 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे है।

> भवदीय, राजेन्द्र सिंह)

उप सचिव।

संख्या व दिनांक तदैव

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रैषित:-

महालेखाकार, उत्तरांचल, देहरादून।

2- वरिष्ठ कोषाधिकारी, पौडी।

3- वित्त अनुभाग-4/ नियोजन अनुभाग।

4- राष्ट्रीय सूचना केन्द्र सचिवालय परिसर, देहरादून।

5- गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

(संजीव कुर्मार शर्मा) अनुसचिव।

संख्या-236 / XXIV(8) / 2005 / -35 / 2004 दिनांक । 8-3-2-2-55 प्रपन्न बीठएम0-15 का संलग्नक

(पैरा-158)

नियंत्रक अधिकारी- अपर मुख्य सचिव, तकनीकी शिक्षा विमाग

प्रशासकीय विभाग तकनीकी शिक्षा अनुदान संख्या—11(धनराशि हजार रूपयें में)

योग 2500	20—सहायक अनुदान/ 2500 अशदान / राजसहायता	2203— तकनीकी शिक्षा 104— अराजकीय तकनीकी कालंजों तथा संस्थानों को सहायता 04—मान्यता प्राप्त प्राविधिक निजी शिक्षण संस्थाओं को प्रोत्साहन स्वरूप अनुदान आयोजनागत	1	बजट प्राविधान तथा लेखाशीर्षक का विवस्ण (भानक मद)
T	1		N	म्बनक मदवार अध्यावधिक व्यय
1	1		ça	वित्तीय वर्ष की शेष अवधि में व्यय
2500	2500		4	अवशेष (सरप्लस घनराशि)
1500	26— मशीनें और सज्जा / (6500) 1500 उपकरण और संयत्र	2203— तकनीकी शिक्षा 105— बहुशित्य (पार्ती०) विद्यालय 03— सामान्य पाली० आयोजनागत	Ch.	लेखाशीर्षक जिनमें धनराशि स्थानात्तरित किया जाना है (मानक मद)
8000	8000		O.	पुनविनियोग के बाद कुल बनराशि
1000	1000		7	पुनर्विनियोग के बाद अवशेष धनशशि (4-5)
1	1		00	अम्युक्ति

प्रमाणित किया जाता है कि उपरोक्त पुनर्विनियोग में बजट मैनुवल के परिच्छेद 150, 151,155, 156 में उल्लिखित प्रतिबन्धों एवं सीमाओं का उल्लंघन नहीं होता है।

(राजेन्द्र सिंह) उप <u>स</u>िव।